भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 737
जिसका उत्तर मंगलवार 07 फरवरी, 2017 को दिया जाना है

मध्य और पूर्वी यूरोप के साथ आर्थिक सहयोग

737. श्रीमती ज्योति धुर्वे:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतीय अधिकारियों और भारतीय उद्योगपतियों के उच्च-स्तरीय शिष्टमंडल द्वारा अपने दौरे के दौरान मध्य और पूर्वी यूरोप के साथ आर्थिक कार्यकलापों में वृद्धि करने और विदेशी निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं;

(ख) भारी अभियांत्रिकी और उन्नत विनिर्माण के क्षेत्र में भारत चेक गणराज्य और अन्य पूर्वी तथा मध्य यूरोप के देशों के साथ कब से कार्य कर रहा है; और

(ग) इसके परिणामस्वरूप प्राप्त उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क): सरकार मध्य और पूर्वी यूरोप सहित समूचे विश्व से निवेश भारत में लाने के लिए विभिन्न उपाय कर रही है जैसे कि कई सेक्टरों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को शुरू करना, एफडीआई संबंधित सुधार और उदारीकरण करना और देश में कारोबार करने की सहूलियत में सुधार लाना।

(ख): भारत ने हेवी इंजीनियरी में इसके आरंभ से ही चेक गणराज्य का सहयोग लिया है। इसके अलावा, भारत ने हेवी इंजीनियरी में इसकी शुरूआत से हेवी इंजीनियरी के क्षेत्र में प्रौद्योगिकीय सहयोग के लिए रशियन फेडरेशन के साथ परस्पर संपर्क बनाए रखा है।

(ग): हेवी इंजीनियरी उद्योग में चेक गणराज्य और रशियन फेडरेशन अपनी सतत सहायता के जरिए भारत के प्रमुख भागीदार रहे हैं। इन देशों के साथ पारस्परिक संपर्कों से हासिल हुई कुछ प्रमुख उपलब्धियां नीचे दर्शाई गई हैं:

उद्योग मंत्रालय, चेक गणराज्य ने हेवी इंजीनियरी में प्रौद्योगिकी सहयोग के लिए 24.11.2015 को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें चेक इंजीनियरिंग फर्मों द्वारा हेवी इंजीनियरिंग कार्पोरेशन (एचईसी) का आधुनिकीकरण किया जाना शामिल है।

एचईसी की स्थापना रूसी सहयोग से हुई थी। एचईसी और मैसर्स सीएनआईआईटीएमएएसएच, रूसी सरकारी कंपनी के बीच एचईसी को नवीनतम प्रौद्योगिकी के अंतरण और इलेक्ट्रो स्लैग री-मेल्टिंग, वेल्डिंग, गियरबॉक्स विनिर्माण तथा नॉन-डिस्ट्रक्टिव टेस्टिंग जैसे उच्च विशेषीकृत धातुकर्म के लिए प्रशिक्षण अवसंरचना की स्थापना हेतु एक समझौता ज्ञापन हुआ है।

बीएचईएल ने कजाखस्तान में गैस आधारित विद्युत परियोजना स्थापित करने के लिए रूसी ज्वाइंट स्टॉक कंपनी आईएनटीएमए के साथ 15.04.2015 को समझौता ज्ञापन किया है।

एंड्रयू यूल एंड कंपनी लिमिटेड ने ट्रांसफार्मर के विनिर्माण के क्षेत्र में तकनीकी जानकारी और डिजाइन के लिए मैसर्स टोगलियाटी ट्रांसफारमीटर, रूस के साथ 10.01.2014 को समझौता ज्ञापन किया है।

****